पाठ – 3 लोकतंत्र और विविधता

प्रश्नावली

Q1. सामाजिक विभाजनों की राजनीति के परिणाम तय करने वाले तीन कारकों की चर्चा करें।

उत्तर : सामाजिक विभाजन की राजनीति के परिणामों को निर्धारित करने वाले तीन कारक: I. लोगों की अपनी पहचान के बारे में धारणा - जब लोग खुद को सबसे अलग और विशेष समझने लगते है तो उनके लिए दूसरे लोगों से तालमेल बैठाना बहुत कठिन हो जाता है | यदि लोग अपनी राष्ट्रीय पहचान को सर्वोपरि समझते है तब कोई समस्या नहीं होती | हमारे देश में ज्यादातर लोग खुद को पहले भारतीय मानते हैं फिर किसी प्रदेश, जाति या भाषा समूह का सदस्य | II. राजनीतिक नेताओं द्वारा एक समुदाय का प्रतिनिधित्व - संविधान के दायरे में आने वाली व अन्य समुदाय को नुकसान न पहुंचाने वाली माँगो को मान लेना सही है लेकिन किसी एक समुदाय की अनुचित माँग को यदि मान लिया जाए तो यह ग़लत होगा| श्रीलंका में सिंहलियों की माँग तमिल समुदाय की पहचान और हितों के ख़िलाफ़ थी | III. सरकार का रुख - अगर शासन राष्ट्रीय एकता के नाम पर किसी की उचित माँग को दबाना शुरू कर दे तो परिणाम हमेशा नुकसानदेह होते है |

Q2. सामाजिक अंतर कब और कैसे सामाजिक विभाजनों का रूप ले लेते हैं?

उत्तर : जब एक तरह का अंतर अन्य अंतरों से ज्यादा महत्वपूर्ण बन जाता है और लोगों को लगने लगता है कि वे दूसरे समुदाय के है तब सामाजिक विभाजन की स्तिथि पैदा होती है | उदाहरण के लिए, हमारे देश में दलित गरीब है और उन्हें अक्सर भेदभाव और अन्याय का सामना करना पड़ता है | जब एक-सी सामाजिक असमानताएँ कई समूहों में मौजूद हो तो फिर एक समूह के लोगों के लिए अपनी अलग पहचान बनाना मुश्किल हो जाता है और एक गहरे सामाजिक विभाजन की रेखा खींच जाती है |

Q3. सामाजिक विभाजन किस तरह से राजनीति को प्रभावित करते हैं? दो उदाहरण भी दीजिए |

उत्तर : सामाजिक विभाजन और राजनीति का संयोजन वास्तव में खतरनाक हो सकता है। एक लोकतंत्र में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा शामिल है। जैसा कि उनकी प्रतियोगिता समाज को विभाजित करने के लिए होती है, अगर वे कुछ मौजूदा सामाजिक विभाजनों के संदर्भ में प्रतिस्पर्धा करना शुरू करते हैं, तो यह उन सामाजिक विभाजनों को राजनीतिक विभाजन में बदल सकता है, जिससे संघर्ष, हिंसा और यहां तक कि देश का विभाजन भी हो सकता है। इसका एक उदाहरण यूगोस्लाविया का छह स्वतंत्र देशों में विभाजन है। आयरलैंड इसका दूसरा उदाहरण है | यहाँ काफी समय तक लोगों के बीच हिंसा और जातीय कटुता रही |

Q4. .... सामाजिक अंतर गहरे सामाजिक विभाजन और तनावों की स्थिति पैदा करते हैं। .... सामाजिक अंतर सामान्य तौर पर टकराव की स्थिति तक नहीं जाते।

उत्तर : <u>एक तरह के</u> सामाजिक अंतर गहरे सामाजिक विभाजन और तनावों की स्थिति पैदा करते हैं। <u>विभिन्न प्रकार के</u> सामाजिक अंतर सामान्य तौर पर टकराव की स्थिति तक नहीं जाते।

Q5. सामाजिक विभाजनों को सँभालने के संदर्भ में इनमें से कौन सा बयान लोकतांत्रिक व्यवस्था पर लागू नहीं होता?
(क) लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिद्वन्दता के चलते सामाजिक विभाजनों की छाया राजनीति पर भी पड़ती है।
(ख) लोकतंत्र में विभिन्न समुदायों के लिए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी शिकायतें ज़ाहिर करना संभव है।
(ग) लोकतंत्र सामाजिक विभाजनों को हल करने का सबसे अच्छा तरीका है।
(घ) लोकतंत्र सामाजिक विभाजनों के आधार पर समाज को विखंडन की ओर ले जाता है।

उत्तर : (घ) लोकतंत्र सामाजिक विभाजनों के आधार पर समाज को विखंडन की ओर ले जाता है।

Q6. निम्नलिखित तीन बयानों पर विचार करें:

(अ) जहाँ सामाजिक अंतर एक-दूसरे से टकराते हैं वहाँ सामाजिक विभाजन होता है।
(ब) यह संभव है कि एक व्यक्ति की कई पहचान हो।
(स) सिर्फ़ भारत जैसे बड़े देशों में ही सामाजिक विभाजन होते हैं।
इन बयानों में से कौन-कौन से बयान सही हैं| (क) अ, ब और स (ख) अ और ब (ग) ब और स (घ) सिर्फ स

उत्तर : (ख) अ और ब

Q7. निम्नलिखित बयानों को तार्किक क्रम से लगाएँ और नीचे दिए गए कोड के आधार पर सही जवाब ढूँढ़े। (अ) सामाजिक विभाजन की सारी राजनीतिक अभिव्यक्तियाँ खतरनाक ही हो यह जरुरी नहीं है|
(ब) हर देश में किसी न किसी तरह के सामाजिक विभाजन रहते ही हैं |
(स) राजनीतिक दल सामाजिक विभाजनों के आधार पर राजनीतिक समर्थन जुटाने का प्रयास करते हैं | (द) कुछ सामाजिक अंतर सामाजिक विभाजनों का रूप ले सकते हैं।
(क) द, ब, स, अ (ख) द, ब, अ, स (ग) द, अ, स, ब (घ) अ, ब, स, द

उत्तर : (क) द, ब, स, अ

Q8. निम्नलिखित में किस देश को धार्मिक और जातीय पहचान के आधार विखंडन का सामना करना पड़ा?
(क) बेल्जियम
(ख) भारत
(ग) यूगोस्लाविया
(घ) नीदरलैंड

उत्तर : (ग) यूगोस्लाविया

Q9. मार्टिन लूथर किंग जूनियर के 1963 के एक प्रसिद्ध भाषण के निम्नलिखित अंश को पढ़ें। वे किस सामाजिक विभाजन की बात कर रहे हैं? उनकी उम्मीदें और आशंकाएँ क्या-क्या थी? क्या

आप उनके बयान और मैक्सिको ओलंपिक की उस घटना में कोई संबंध देखते हैं जिसका जिक्र इस अध्याय में था? "मेरा एक सपना है कि मेरे चार नन्हें बच्चे एक दिन ऐसे मुल्क में रहेंगे जहाँ उन्हें चमड़ी के रंग के आधार पर नहीं, बल्कि उनके चरित्र के असल गुणों के आधार पर परखा जाएगा।

स्वतंत्रता को उसके असली रूप में आने दीजिए | स्वतंत्रता तभी कैद से बाहर आ पाएगी जब यह हर बस्ती, हर गाँव तक पहुँचेंगी, हर राज्य और हर शहर में होगी और हम उस दिन को ला पाएँगे जब ईश्वर की सारी संताने - अश्वेत स्त्री-पुरुष, गोरे लोग, यहूदी तथा गैर-यहूदी, प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक - हाथ में हाथ डालेंगी और इस पुरानी नीग्रो प्रार्थना को गाएंगी - 'मिली आज़ादी , मिली आज़ादी ! प्रभु बलिहारी , मिली आज़ादी !' मेरा एक सपना है कि एक दिन यह देश उठ खड़ा होगा और अपने वास्तविक स्वभाव के अनुरूप कहेगा , "हम इस स्पष्ट सत्य को मानते हैं कि सभी लोग समान हैं | "

उत्तर : मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अपने भाषण में रंगभेद के ख़िलाफ़ आवाज़ उठायी थी | मैक्सिको ओलम्पिक की घटना में भी दो खिलाड़ियों ने अमेरिका में होने वाले रंगभेद के प्रति लोगों का ध्यान खींचने की कोशिश की थी |